



SDI Review Form 1.6

| | |
|--------------------------|--|
| Journal Name: | Asian Journal of Biotechnology and Bioresource Technology |
| Manuscript Number: | Ms_AJB2T_38844 |
| Title of the Manuscript: | ETHNOBOTANICAL SURVEY OF MEDICINAL PLANTS USED FOR TREATMENT OF VARIOUS AILMENTS IN KANO METROPOLIS, NIGERIA |
| Type of the Article | Original Research Article |

General guideline for Peer Review process:

This journal's peer review policy states that **NO** manuscript should be rejected only on the basis of '**lack of Novelty**', provided the manuscript is scientifically robust and technically sound. To know the complete guideline for Peer Review process, reviewers are requested to visit this link:

(<http://www.sciencedomain.org/page.php?id=sdi-general-editorial-policy#Peer-Review-Guideline>)



SDI Review Form 1.6

PART 1: Review Comments

| | Reviewer's comment | Author's comment (if agreed with reviewer, correct the manuscript and highlight that part in the manuscript. It is mandatory that authors should write his/her feedback here) |
|-------------------------------------|--------------------|---|
| Compulsory REVISION comments | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |



SDI Review Form 1.6

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|---|-----|---------------------|------------|---------------------------|-----|---------------------------|-----|---------------------------|-----|---|------------|--|-----|----------|-----|--------|--|--|--|--|--|
| | <table><tr><td>144</td><td>Delete the sentence</td></tr><tr><td>145 to 146</td><td>Delete the coloured parts</td></tr><tr><td>148</td><td>'..it is..'; delete 'out'</td></tr><tr><td>149</td><td>Delete the coploured part</td></tr><tr><td>157</td><td>'families'; delete '..as plant' ; 'include'</td></tr><tr><td>158 to 160</td><td>Rewrite the sentence thus; 'Piles,....& s.dysfunction are the ailments for which the surveyed medicinal plants are used for in the study area'.</td></tr><tr><td>162</td><td>'plants'</td></tr><tr><td>163</td><td>'they'</td></tr><tr><td colspan="2">*It will be more specific & precise if you give serial nos. to the species named in the table.</td></tr><tr><td colspan="2"><p>*I wish to make a general suggestion/appeal with reference to the chunk of information already available & the continued research going on in a 'Biodiversity rich' continent like Africa. (Because I myself have reviewed many R. papers of this mode in recent times) This is a plea to the research organizations involved in research of this mode & the policy makers which make things happen by deriving suitable policies apt for the common man: <i>'to reorganize, collaborate & effectively use this wealth of information in commercially producing cheap drugs specially for those who 'Live on the edge'.</i> <i>Because the data of such magnitude will go waste if just remains as a r.paper published benefitting only the researchers in getting one more research paper published. Instead the benefit of resources- financial & human- spent in such preliminary researches should reflect in strong foundations laid down for providing cheap but effective medical care to the 'common man', who just manages to thrive.</i> Thank you Warm Regards Mini N. Vijayan, Dept. of Botany, Carmel College for Arts, Science & Commerce for Women, Goa, India-403713.</p></td></tr></table> | 144 | Delete the sentence | 145 to 146 | Delete the coloured parts | 148 | '..it is..'; delete 'out' | 149 | Delete the coploured part | 157 | 'families'; delete '..as plant' ; 'include' | 158 to 160 | Rewrite the sentence thus; 'Piles,....& s.dysfunction are the ailments for which the surveyed medicinal plants are used for in the study area'. | 162 | 'plants' | 163 | 'they' | *It will be more specific & precise if you give serial nos. to the species named in the table. | | <p>*I wish to make a general suggestion/appeal with reference to the chunk of information already available & the continued research going on in a 'Biodiversity rich' continent like Africa. (Because I myself have reviewed many R. papers of this mode in recent times) This is a plea to the research organizations involved in research of this mode & the policy makers which make things happen by deriving suitable policies apt for the common man: <i>'to reorganize, collaborate & effectively use this wealth of information in commercially producing cheap drugs specially for those who 'Live on the edge'.</i> <i>Because the data of such magnitude will go waste if just remains as a r.paper published benefitting only the researchers in getting one more research paper published. Instead the benefit of resources- financial & human- spent in such preliminary researches should reflect in strong foundations laid down for providing cheap but effective medical care to the 'common man', who just manages to thrive.</i> Thank you Warm Regards Mini N. Vijayan, Dept. of Botany, Carmel College for Arts, Science & Commerce for Women, Goa, India-403713.</p> | | |
| 144 | Delete the sentence | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 145 to 146 | Delete the coloured parts | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 148 | '..it is..'; delete 'out' | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 149 | Delete the coploured part | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 157 | 'families'; delete '..as plant' ; 'include' | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 158 to 160 | Rewrite the sentence thus; 'Piles,....& s.dysfunction are the ailments for which the surveyed medicinal plants are used for in the study area'. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 162 | 'plants' | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 163 | 'they' | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *It will be more specific & precise if you give serial nos. to the species named in the table. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| <p>*I wish to make a general suggestion/appeal with reference to the chunk of information already available & the continued research going on in a 'Biodiversity rich' continent like Africa. (Because I myself have reviewed many R. papers of this mode in recent times) This is a plea to the research organizations involved in research of this mode & the policy makers which make things happen by deriving suitable policies apt for the common man: <i>'to reorganize, collaborate & effectively use this wealth of information in commercially producing cheap drugs specially for those who 'Live on the edge'.</i> <i>Because the data of such magnitude will go waste if just remains as a r.paper published benefitting only the researchers in getting one more research paper published. Instead the benefit of resources- financial & human- spent in such preliminary researches should reflect in strong foundations laid down for providing cheap but effective medical care to the 'common man', who just manages to thrive.</i> Thank you Warm Regards Mini N. Vijayan, Dept. of Botany, Carmel College for Arts, Science & Commerce for Women, Goa, India-403713.</p> | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Minor REVISION comments | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Optional/General comments | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

Reviewer Details:

| | |
|----------------------------------|---|
| Name: | Mini N.Vijayan |
| Department, University & Country | Department of Botany, Carmel College, Nuvem, Goa- 403604, India |